कार्य बल को और दिशानिर्देश

नीति और कार्यान्वयन समिति जेजू, कोरिया में इसकी तीसरी बैठक के लिए कार्य योजना विकसित करने में कार्य बल की कोशिशों की तारीफ करती है और कार्य बल के सदस्यों को उनकी कार्य योजना के कार्यान्वयन के लिए चौकस रहने हेतु उत्साहित करती है। इस संबंध में कार्य बल को इस दिशा में काम करने को उत्साहित किया जाता है :

- **कार्य योजना के कार्यान्वयन का प्रबंधन:** सभी कार्य बलों की प्राथमिकता अब स्वीकृत कार्य योजना परियोजनाओं और क्रियाकलापों का कार्यान्वयन करना होगा। इसमें ये सब शामिल हो सकते हैं :
  - ज्यादा विस्तृत परियोजना योजना की तैयारी।
  - प्रतियोगियों के भाग लेने और उनके प्रबंधन की पहचान।
  - संसाधनों की पहचान (वित्तीय या दूसरे तरह की)।
  - संबंधित निगरानी और रिपोर्टिंग प्रक्रिया का विकास।

- **परियोजनाओं और गतिविधियों के अंतर्गत साझेदारी और कार्य योजना में क्षमतावान साझेदारों को प्रोत्साहित करना :** कार्य बल खासकर कार्ययोजनाओं के संदर्भ में अपनी गतिविधियों के तहत साझेदारी को और व्यापक धरातल पर प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मुख्य समूह में साझेदार देशों के व्यावसायिक उपक्रमों, संस्थानों और दूसरे प्रासंगिक सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों को शामिल किया जा सकता है।

- **कार्ययोजना में परियोजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा एवं रिपोर्टिंग में सहयोग करना :** कार्य बल कार्य योजना परियोजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा और रिपोर्टिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्य बलों से अनुरोध किया जाता है कि वे परियोजना की स्थिति और नतीजे के बारे में तीसरी पीआईसी बैठक के छह महीने के अंदर और उसके बाद जैसा कि पीआईसी द्वारा अनुरोध किया गया है, समय-समय पर रिपोर्ट करें। रिपोर्ट एक प्रामाणिक रिपोर्टिंग फॉर्म में दर्ज की जाए, जिसका इस्तेमाल सिर्फ इसी के लिए हो। हालांकि उसमें पूरक सूचनाएं भी दी जा सकती हैं। हर परियोजना के लिए कार्य बल आज तक किए गए काम, पिछली रिपोर्ट के बाद आए बदलाव और अगले संभावित कदम की सूचनाएं देगा। कार्य बलों को अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने के उद्देश्य से किसी अतिरिक्त किए गए काम के बारे में रिपोर्ट देने के लिए कहा जा सकता है, जिसे उन्होंने अंजाम दिया है या जिसका उन्होंने दिशा-निर्देश किया है।

- **कार्य बल के लक्ष्य के तहत भविष्य के साझेदारी सहयोग के लिए रणनीतिक योजनाएं बनाना :** इसमें उन गतिविधियों के विस्तार को शामिल किया जा सकता है, जिसकी पहचान कार्य योजना में की गई हो-या अगले चरण की परियोजनाओं के विकास, पहचान और प्रोन्नति से जुड़ी हो।

- **साझेदार देशों के नई परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा करना :** कार्य बल नई परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा और उनके विकास में मदद कर सकते हैं। इस बारे में औपचारिक मंजूरी पीआईसी द्वारा दी जाएगी। नई परियोजनाओं और कार्य योजनाओं को मंजूरी देने की प्रक्रिया इस दस्तावेज में है, 'साझेदारी की नई परियोजनाओं और कार्य योजनाओं को जोड़ने के लिए प्रक्रिया।'

इस दस्तावेज को साझेदारी घोषणापत्र, कार्य योजना और विज्ञप्ति के साथ पढ़ना चाहिए (जनवरी 2006); कार्य बल दिशा-निर्देश (अप्रैल 2006); और नए परियोजना प्रस्तावों को जोड़ने के लिए प्रक्रिया।

4 अप्रैल 2007